

डॉ. डेविड हॉवर्ड, जोशुआ-रूथ, सत्र 12

वाचा भ्रमण

© 2024 डेविड हॉवर्ड और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 12, व्यवस्थाविवरण 17, और जोशुआ, एक्सर्सिस है।

मैं एक अतिरिक्त टिप्पणी करना चाहता हूँ और इज़राइल में राजत्व की इस चर्चा से एक संबंध बताना चाहता हूँ, विशेष रूप से राजा का मॉडल जो हमें व्यवस्थाविवरण 17 में दिया गया है।

इसलिए यदि आपकी बाइबल व्यवस्थाविवरण 17 के लिए फिर से खुली है, तो हम केवल एक बात पर प्रकाश डालेंगे। यदि आपको याद हो, तो यह वह समय है जब मूसा यह अनुमान लगा रहा था कि इस्राएल एक राजा की माँग करेगा। यह उन्हें कुछ मानदंड देता है, श्लोक 15 से 17, कि भगवान के लिए उनके लिए एक राजा रखना ठीक है।

दरअसल, यह उनके इरादे का हिस्सा है, लेकिन यहां सीमित मानदंड हैं। फिर श्लोक 18 से 20 राजा के लिए सफलता की कुंजी के बारे में बात करते हैं, जो अनिवार्य रूप से भगवान के वचन में निहित है। तो, हम 18 से 20 की फिर से समीक्षा करेंगे।

इसलिए, जब वह अपने राज्य के सिंहासन पर बैठेगा, तो वह लेवीय याजकों द्वारा अनुमोदित इस कानून की एक प्रति अपने लिए एक पुस्तक में लिखेगा। यह उसके साथ रहेगा। वह अपने जीवन भर इसे पढ़ता रहे, जिस से वह अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानना, इस व्यवस्था और इन विधियों की सब बातों को मानना, और उनके पालन करना सीखे, ऐसा न हो कि उसका मन अपने भाइयों पर उदास न हो। , और वह आज्ञा से न तो दाहिनी ओर मुड़े और न बाईं ओर, जिस से वह और उसकी सन्तान इस्राएल में बहुत दिन तक अपने राज्य में बने रहें।

तो, यह आदर्श राजा के लिए मॉडल है, लेकिन मैं कहूंगा कि यह किसी भी प्रकार के ईश्वरीय नेतृत्व के लिए एक व्यापक मॉडल भी है जिसे हम पुराने नियम में देखते हैं। हम देखते हैं कि, उदाहरण के लिए, एज्रा और नहेमायाह जैसे वर्षों बाद के नेता, परमेश्वर के वचन में निहित थे। धर्मग्रंथ का सार्वजनिक पाठ किया गया।

हम इसे हर तरह से देखते हैं, और इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण यहाँ यहोशू अध्याय 1 में है। इसलिए यदि आप उस अध्याय को पलटते हैं, तो हम देखेंगे, यहोशू को दिए गए परमेश्वर के आदेश को फिर से देखें, विशेष रूप से छंद 6 से 9 तक शुरू करें। भगवान कहते हैं, मजबूत और साहसी बनो. तू इन लोगों को भूमि का उत्तराधिकार दिलाएगा, इत्यादि। लेकिन फिर श्लोक 7, श्लोक 7 और 8 उस अनुच्छेद का मूल हैं।

श्लोक 7 कहता है, मजबूत और बहुत साहसी बनो। जो व्यवस्था मेरे दास मूसा ने तुझे दी है उन सभी के अनुसार करने में चौकसी करना। न दाहिनी ओर मुड़ना और न बाईं ओर मुड़ना, ताकि जहां कहीं तुम जाओ वहां तुम्हें अच्छी सफलता मिले।

व्यवस्था की यह पुस्तक तुम्हारे मुख से कभी न उतरेगी। तू दिन रात उस पर ध्यान किया करेगा। इसलिये जो कुछ इसमें लिखा है उसके अनुसार ही करने में सावधान रहना।

इसलिए, मुझे आशा है कि आप व्यवस्थाविवरण 17 के अनुच्छेद की गूँज देख सकते हैं। राजा के लिए सफलता की कुंजी ये चीजें करना, ध्यान करना और परमेश्वर का वचन अपने पास रखना है। दायीं या बायीं ओर न मुड़ें।

इसकी गूँज यहाँ जोशुआ में है। अब यहोशू नामक व्यक्ति राजा नहीं है, बल्कि वह लोगों का नेता है। वह सिर्फ एक सैन्य नेता नहीं है, बल्कि वह एक ऐसा नेता है जिसका उद्देश्य लोगों को ईश्वर की ओर इंगित करना और अपने जीवन में एक आदर्श और उदाहरण बनना है।

उसी तरह जैसे राजा को अपने जीवन में लोगों के लिए एक आदर्श और उदाहरण बनना था। और वर्षों बाद, दुर्भाग्य से, अधिकांश राजा ऐसे नहीं थे। लेकिन धर्मात्मा राजा, अच्छे राजा, यहूदा में लगभग आठ हैं, उन्होंने किसी न किसी हद तक इस मॉडल का पालन किया।

और इसलिए, ईश्वरीय नेतृत्व का यह बड़ा सिद्धांत, जिसका उल्लेख हमने जोशुआ की पुस्तक में किया है, वह पूरे पुराने नियम में पाया जाता है और व्यवस्थाविवरण 17, जोशुआ 1 में इसकी महत्वपूर्ण जड़ें हैं। यदि आप इसकी संरचना जानते हैं, तो इसे इंगित किया गया है हिब्रू कैनन में पुराने नियम में, हमारे पास कानून, भविष्यवक्ता और लेख हैं। और व्यवस्था इस चेतावनी के साथ व्यवस्थाविवरण 17 में समाप्त होती है। और फिर भविष्यवक्ताओं की शुरुआत यहोशू, यहोशू, यहूदा, सैमुअल, किंग्स और फिर 12 में यशायाह, यिर्मयाह, यहेजकेल, डैनियल या यहेजकेल से होती है।

और भविष्यवक्ताओं से शुरू होने वाले हिब्रू कैनन का खंड यहोशू 1 से शुरू होता है। और यह भी, सफलता की कुंजी भगवान के वचन में निहित है। और फिर लेखन भजन की पुस्तक से शुरू होता है। और उस तीसरे खंड के शेष भाग में विविध पुस्तकें।

लेकिन भजन संहिता की पुस्तक बहुत ही समान तरीके से शुरू होती है, जिसमें धर्मात्मा व्यक्ति बनाम दुष्ट व्यक्ति का विरोधाभास होता है। धर्मात्मा व्यक्ति की सफलता की कुंजी यह है कि वह पापियों आदि के मार्ग पर न चले, बल्कि उसका आनंद प्रभु की व्यवस्था में है, भजन 1, पद 2। और वह अपने नियम पर दिन-रात ध्यान करता है। वे शब्द लगभग बिल्कुल वही शब्द हैं जो यहाँ जोशुआ में हैं।

तो, हिब्रू कैनन के तीन खंड हमें सफलता की इस कुंजी के बारे में भी बताते हैं, जो एक दिलचस्प अवलोकन है। यह मेरा अवलोकन नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि यह बुद्धिमानी है। यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं।

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 12, व्यवस्थाविवरण 17, और जोशुआ, एक्सर्सिस है।